



बारिश ने छुड़ाया पूजा आयोजकों का पसीना, लेकिन हौसला बुलंद

■ कारीगर और शिल्पकार भी हैं हलकान ■ प्रशासन और निगम के लिए बड़ी चुनौती

बारिश में डूबा कोलकाता, दस की मौत

सड़कों-घरों में पानी भरा,
रेलवे-मेट्रो सर्विस ठप
ममता बोली, ऐसी बारिश
कभी नहीं देखी



आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक मूसलाधार बारिश से बारू आ गयी। पानी में बिजली का कर्कट फैलने से दस लोगों की मौत हो गयी है। कोलकाता में पिछले 24 घंटों में लगभग 247.5 मिमी बारिश हुई। शहर की कई सड़कों पर तीन फीट तक पानी भर गया है। यातायात व्यवस्था सुबह से चरमरा गयी है। सड़कों पर खड़ी गाड़ियां आधी से ज्यादा डूब गयी हैं। वहीं घरों और फ्लैटों में भी पानी भरा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने ऐसी बारिश पहले कभी नहीं देखी। जिन लोगों की जान गयी है, उनके लिए उन्हें

दुख है। हमारे घर भी पानी में डूब गये हैं। हम सब परेशान हैं। मुझे पूजा पंडालों के लिए भी बहुत बुरा लग रहा है। कोलकाता एयरपोर्ट पर पानी भरने और खराब मौसम के कारण 30 फ्लाइट रद्द कर दी गयीं और 42 फ्लाइट लेट हो गयीं। पानी भरने से शहीद खुदीराम और मैदान मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा रोक दी गयी है। हावड़ा और सियालदह डिवीजनों के रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया है। इससे हजारदुआरी

एक्सप्रेस (13113) और सियालदह जंगीपुर एक्सप्रेस (13177) ट्रेनें रद्द कर दी गयीं। चितपुर यार्ड में पानी भरने से सफुलर रेलवे लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही बंद है। बारिश के कारण कई जगह दुर्गा पूजा के पंडाल डूब गये तो कई खराब हो गये हैं। बंगाल सरकार ने बारिश के चलते पूरे राज्य में सभी सरकारी स्कूल और कॉलेजों में तय समय से दो दिन पहले ही दुर्गा पूजा की छुट्टियां कर दी हैं।



कारोबारियों की निगाह मौसम पर टिकी

राजवीर

रांची (आजाद सिपाही)। नवरात्र के दौरान बाजार में कपड़े-जूते अन्य सामान की खरीददारी की भीड़ दिख रही है। हालांकि लोग सशर्कित हैं

कि उनके घूमने-फिरने मस्ती में बारिश खलल नहीं डाले। वहीं, पूजा के दौरान मेला में कारोबार करने वाले परेशान हैं। इस दौरान छोटे-बड़े को मिलाकर करोड़ों का कारोबार

होता है। बारिश के कारण मेला में कारोबार करने वालों को डर सताने लगा है। उनकी निगाह मौसम पर टिकी है। उन्हें उम्मीद है कि बारिश थमेगी और कारोबार अच्छा होगा।

मौके पर पूजा पंडालों के पट खोलने की घोषणा कर रहे हैं, लेकिन बारिश के कारण तय समय तक साज-सज्जा और लाइटिंग का काम पूरा नहीं हो सका है। शिल्पकार भी मां दुर्गा सहित अन्य देवी-देवताओं

की प्रतिमा गढ़ चुके हैं, पर रंग-रोगन का काम बारिश से प्रभावित है। बरसात से पूजा स्थल में भी कीचड़ अटा पड़ा है। वैसे तो तृतीया यानी 24 सितंबर से ही श्रीराम बाबा के भजन संध्या और डांडिया

से दुर्गास्तव के कार्यक्रम की शुरुआत हो जायेगी। पंडाल का पट चुर्तुथी या पंचमी के दिन हर हाल में खोल दिया जायेगा। दर्शनार्थियों को किसी तरह की दिक्कत न हो इसका खास ख्याल रखा जायेगा।

रांची के कांके रिसॉर्ट, दुर्गा डेवलपर्स सहित नौ ठिकानों पर इडी का छापा

जमीन घोटाला मामले में
रांची में छह और दिल्ली में
तीन जगह हुई कार्रवाई

दस्तावेजों के अलावा 25 लाख
रुपये अब तक हुए बरात



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने चर्चित जमीन कारोबारी कमलेश से जुड़े जमीन घोटाले में रांची और दिल्ली के कुल नौ ठिकानों पर छापा मारा है। छापेमारी के दौरान समाचार लिखे जाने तक विभिन्न ठिकानों से कुल 25 लाख रुपये नगद जप्त किये गये हैं। इसके

अलावा बैंक खाता, जमीन की खरीद बिक्री से संबंधित दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस भी जब्त किये गये हैं। इससे पहले कमलेश सहित अन्य के खिलाफ इडी आरोप पत्र दायर कर चुकी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इडी ने रांची के छह और दिल्ली के तीन ठिकानों पर छापा मारा। इनमें कांके रिसॉर्ट

वित्तीय रिकॉर्ड और डिजिटल सबूतों की जांच

इडी की कई टीमों संपत्ति के दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड और डिजिटल सबूतों की जांच के लिए तैनात की गयी हैं, जो कथित तौर पर जमीन के सौदागरी, बिल्डरों और बिचौलियों से जुड़े एक घोटाले से संबंधित हैं। रांची में कई प्रमुख स्थानों जैसे कांके में कांके रिसॉर्ट, रातू रोड के सुखदेव नगर, कडरू, बरियातू और अशोक नगर में छापेमारी की गयी। इसके अलावा दिल्ली में भी प्रभावशाली जमीन दलालों और उनके सहयोगियों से जुड़े स्थानों पर तलाशी ली गयी।

मनी लाँड्रिंग के जरिये वैध आय के रूप में दिखाया

यह कार्रवाई कांके ब्लॉक के चामा मौजा में घोखायडी से जुड़ी है, जहां आदिवासी जमीन को नकली दस्तावेजों के जरिये सामान्य भूखंड में बदला गया और फिर उन्ही कीमतों पर बेचा गया। जांचकर्ताओं को शक है कि इन सौदों से प्राप्त धन को मनी लाँड्रिंग के जरिये वैध आय के रूप में दिखाया गया था।

के गुंजन सिंह, दुर्गा डेवलपर्स के अनिल झा, बिल्डर बोके सिंह और रियायट अधिकारी रामप्रवेश समेत अन्य लोगों के ठिकाने शामिल हैं।

मोहनलाल को दादासाहेब फाल्के अवार्ड

शाहरुख खान-विक्रान्त मैसी
को बेस्ट एक्टर

रानी मुखर्जी को बेस्ट एक्ट्रेस
का नेशनल अवार्ड

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। 71वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह विज्ञान भवन में मंगलवार को हुआ। मलयाली एक्टर मोहनलाल को फिल्म जगत में दिये गये उनके योगदान के लिए सिनेमा के सबसे गौरवपूर्ण दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शॉल पहनाया और स्वर्ण कमल दिया। इस दौरान मोहनलाल को स्टैंडिंग ओवेशन मिला। वहीं, शाहरुख खान, विक्रान्त मैसी को बेस्ट एक्टर और रानी मुखर्जी को बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड मिला।

शाहरुख खान-विक्रान्त मैसी को बेस्ट एक्टर का अवार्ड
शाहरुख खान को फिल्म 'जवान' और विक्रान्त मैसी को फिल्म '12वीं फेब' के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवार्ड मिला है। वहीं, रानी मुखर्जी को 'मिसेस चर्चजी वर्सेस नॉर्वे' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवार्ड मिला। ये शाहरुख, विक्रान्त और रानी तीनों के करियर का पहला नेशनल अवार्ड है।

उर्वशी बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवार्ड: मलयाली एक्ट्रेस उर्वशी को 'ओलुझुकू' के लिए बेस्ट



सिनेमा मेरी आत्मा की धड़कन है : मोहनलाल

सम्मान हासिल करते हुए मोहनलाल ने कहा कि यह मेरे लिए गहन गौरव और कृतज्ञता का पल है कि मैं आज यहां खड़ा हूं। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के प्रतिनिधि के रूप में यहां खड़ा होना मेरे लिए अत्यंत विनम्र और गौरवपूर्ण पल है। मैं गहराई से विनम्र हूं कि मैं इस पुरस्कार का सबसे युवा प्राप्तकर्ता हूं और अपने राज्य से यह राष्ट्रीय मान्यता पाने वाला केवल दूसरा व्यक्ति हूं। यह पल सिर्फ मेरा नहीं है, यह पूरे मलयालम सिनेमा परिवार का है। सच कहूं तो, मैंने कभी इस पल का सपना देखने की हिम्मत भी नहीं की थी। अपने सबसे बड़े सपनों में भी नहीं। इसलिए यह सिर्फ



कोई सपना सच होने जैसा नहीं है, यह उससे कहीं बड़ा, जादुई, और पवित्र है। सिनेमा मेरी आत्मा की धड़कन है।

सपोर्टिंग एक्ट्रेस का नेशनल अवार्ड दिया गया है, ये अवार्ड उन्होंने 'वश' (गुजराती) फिल्म एक्ट्रेस जानकी बोड़ीवाला से साझा किया है। शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' के गाने 'चलेया' के लिए शिल्पा राव को बेस्ट

फीमेल प्लेबैक सिंगर का नेशनल अवार्ड मिला है। इसके अलावा फिल्म 'रांकी और रानी की प्रेम कहानी' के गाने 'दिंदोरा बाजे रे' के लिए वैभव मचेंट को बेस्ट कोरियोग्राफी अवार्ड मिला है। बेस्ट हिंदी फिल्म बनी सान्या

मल्होत्रा की 'कटहल': साल 2023 में रिलीज हुई सान्या मल्होत्रा स्टार फिल्म 'कटहल' को बेस्ट हिंदी फिल्म का नेशनल अवार्ड मिला है। इस फिल्म में लिए डायरेक्टर यशोधर्न मिश्रा अवार्ड लेने पहुंचे थे।



हृदयम
हार्ट क्लिनिक

उपलब्ध सुविधाएँ -

- ईसीजी
- इको-कार्डियोग्राफी
- टीएसटी
- हॉस्पिटल मॉनिटरिंग

यहाँ हृदय संबंधित सभी रोगों का उचित परामर्श तथा उपचार उपलब्ध है जैसे :-

- हार्ट फेलियर
- हाई कोलेस्ट्रॉल
- हार्ट अटैक
- हार्ट एरिथमिया
- हार्ट ब्लॉक
- पाल्पीटेशन
- हाइपरटेंशन
- दिल का छेद,

डॉ साकेत कुमार
हृदय रोग विशेषज्ञ
एम.बी.बी.एस. (एन.एम.), एम.डी.
(कार्डियोलॉजी), एम.डी.
(अपेक्सीकेशन), एम.डी.
(अपेक्सीकेशन), एम.डी.
(अपेक्सीकेशन)

सलाहकार हृदय रोग विशेषज्ञ
पल्स हॉस्पिटल, रांची
हृदयम हार्ट क्लिनिक

डॉ. ओ. शरण, एम.बी.एस. (एन.एम.), एम.डी.
(कार्डियोलॉजी), एम.डी.
(अपेक्सीकेशन), एम.डी.
(अपेक्सीकेशन)

संपर्क : सुबह 09-30 से सायं 06-00 बजे तक
8002882735, 8100360617, 8573987365

WELCOME TO KIDS SECOND HOME

LITTLE STAR
KIDS PLAY SCHOOL
Your's Favorite Preschool

PLAY GROUP, NURSERY,
LKG, UKG, CLASS 1,2

ADMISSION OPEN

8252797609

Near Dislreey Pull, H.B. Road
Kokar, Ranchi (Jharkhand)

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of 'Haji Abdur Razzaque Educational Society')

ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING

- 2 YEARS M.Sc. Nursing
- 2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
- 4 YEARS B.Sc. Nursing
- 2 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
- 2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE

- 3 YEARS BMLT
- 2 YEARS DMLT
- 2 YEARS OT ASSISTANT
- 2 YEARS ECG
- 2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
- 2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
- 2 YEARS RADIO-IMAGING
- 2 YEARS ANESTHESIA TECH.
- 2 YEARS DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY

- 2 YEARS D-PHARM
- 4 YEARS B-PHARM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstitira.com

SACRED CHILD
ACADEMY

PLAY SCHOOL

Pre Nursery KG - I
Nursery KG - II

ADMISSION OPEN

Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

झारखंड पुलिस को दी गयी जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के उग्रवादी संगठन टीपीसी (तृतीय प्रस्तुति कमेटी) के सब जोनल कमांडर नगीना को उत्तर प्रदेश की आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने गिरफ्तार कर लिया

है। नगीना के खिलाफ उत्तर प्रदेश में भी नक्सली और आपराधिक मामले दर्ज हैं। उत्तर प्रदेश एटीएस की टीम ने नगीना की गिरफ्तारी की सूचना झारखंड पुलिस को दी है। नगीना हाल ही में पलामू में हुए एक पुलिस मुठभेड़ में भी शामिल था। हालांकि, उस मुठभेड़ के दौरान वह जंगल का

फायदा उठाकर भागने में सफल रहा था। गिरफ्तार नक्सली नगीना गढ़वा जिले का रहने वाला है। उसकी गिरफ्तारी को झारखंड और उत्तर प्रदेश दोनों राज्यों के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है, क्योंकि वह दोनों जगहों पर कई आपराधिक गतिविधियों में वांछित था।

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act-06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)

BEST PRIVATE UNIVERSITY IN JHARKHAND
40000+ BOOKS AVAILABLE IN LIBRARY
150+ QUALIFIED EXP. & MOTIVATED FACULTY
150+ AGE CAMPU

300+ RESOURCES IN BOOKS & E-BOOKS
1500+ REGISTERED ALUMNI
LABS WITH MODERN TOOLS & EQUIPMENTS
RAGGING FREE CAMPUS

Where dreams BECOME REALITY

CAREER-ORIENTED PG/UG/DIPLOMA PROGRAMMES
Programs Approved by AICTE & Apex Bodies

Faculty of Engg. & Tech

B.Tech

- Civil Engineering
- Electrical and Electronic Eng.
- Computer Science & Eng.
- CSE (Artificial Intelligence)
- CSE (Cyber Security)

Polytechnic / Diploma

- Civil Engineering
- Mechanical Eng.
- Electrical and Electronic Eng.
- Computer Science & Eng.
- Electrical Engineering

Faculty of Law

- LL.B. ■ B.A. LL.B. ■ B.B.A. LL.B

Faculty of Management

- Bachelor of Business Administration (BBA)
- Master of Business Administration (MBA)

Faculty of Information Tech.

- Bachelor of Computer Application (BCA)
- Master of Computer Application (MCA)
- Post Graduation in Computer Application (PGDCA)

Faculty of Education

- Bachelor of Elementary Education (B.Ed)
- Diploma of Elementary Education (D.El.Ed.)
- M.A (Education)

Faculty of Arts & Social Science

- B.A (Hindi) ■ B.A (English) ■ B.A (Sanskrit)
- B.A (Economics) ■ B.A (Psychology)
- B.A (Sociology) ■ M.A (Hindi) ■ M.A (English)
- M.A (Sanskrit) ■ M.A (Economics)
- M.A (Psychology) ■ M.A (Sociology)

Faculty of Pharmacy

- Diploma in Pharmacy (D.Pharm)
- Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)

Faculty of Dental Science

- Bachelor of Dental Surgery (BDS)
- Master of Dental Surgery (MDS)

Faculty of Homeopathy

- Bachelor of Homeopathic Medicine & Surgery- BHMS
- M.D Homeopathy ■ B.Sc Medical Pathology
- B.Sc Medical Biochemistry ■ B.Sc Medical Microbiology
- M.Sc Medical Microbiology
- M.Sc Medical Biochemistry

Faculty of Nursing & Allied Health Science

- Bachelor of Science in Nursing (B.Sc. Nursing)
- General Nursing and Midwifery (GNM)
- Auxiliary Nurse Midwives (ANM)

Paramedical

- OT ■ DMLT ■ ECG ■ X-RAY
- Medical in Sanitary Inspector
- Medical in Ophthalmic Assistant
- Medical in Certificate in Dresser

Library Science

- B.Lib.I.Sc. ■ M.Lib.I.Sc

Faculty of Science

- B.Sc. (Mathematics) ■ B.Sc. (Chemistry) ■ B.Sc. (Physics)
- B.Sc. (Botany) ■ B.Sc. (MLT) ■ B.Sc. (Zoology)
- B.Sc. (Pathology) ■ B.Sc. (Biochemistry) ■ B.Sc. (Microbiology)
- M.Sc. (Mathematics) ■ M.Sc. (Chemistry) ■ M.Sc. (Physics)
- M.Sc. (Botany) ■ M.Sc. (Zoology) ■ M.Sc. (Physiology)
- M.Sc. (Biochemistry) ■ M.Sc. (MLT) ■ M.Sc. (Microbiology)

Faculty of Commerce

- B.Com ■ M.Com

TRANSPORT FACILITIES **HOSTEL FACILITIES** **LUSH GREEN CAMPUS** **WI-FI CAMPUS** **WORLD CLASS INFRASTRUCTURE** **100% PLACEMENT ASSISTANCE**

Admission Helpline: 9661462506, 6206297213, 9934688493
Farathiya, Garhwa-822114, Jharkhand <https://bdsu.ac.in/>

शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हो रहा है सरला बिरला विश्वविद्यालय

■ सरला बिरला विश्वविद्यालय ने पूरे किये सात गौरवशाली वर्ष

■ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए झारखंड में बनी पहली पसंद: डॉ. प्रदीप वर्मा



शिवम कुमार
रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड रांची में स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय अपनी उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नीति के माध्यम से राज्य ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अपनी अलग पहचान बना चुका है। विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनमें सुसज्जित प्रयोगशालाएं, आधुनिक कक्षाएं, समृद्ध पुस्तकालय और उन्नत कंप्यूटिंग संसाधन हैं। यह विश्वविद्यालय शिक्षण और अनुसंधान के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

2017 में स्थापित यह विश्वविद्यालय आज छात्रों और परिजनों की पहली पसंद बनता जा रहा है। पहले झारखंड और आस पास के राज्यों के छात्रों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए महाराष्ट्र, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे अन्य बड़े राज्यों में जाना पड़ता था, लेकिन सिर्फ 7 सालों में सरला बिरला विश्वविद्यालय अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली के माध्यम से देश के उच्च शिक्षा संस्थानों की सूची में शुमार हो चुका है। अब झारखंड और आसपास के राज्यों के छात्राओं को उच्च और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। झारखंड के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण और समग्र शिक्षा देने के उद्देश्य से वर्ष 2017 में स्थापित सरला बिरला विश्वविद्यालय ने अपने 7 गौरवशाली वर्ष पूरे कर लिए हैं। अब यह विश्वविद्यालय अपने 8वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, और इस अल्प समय में इसने देशभर के विद्यार्थियों एवं परिजनों का विश्वास अर्जित किया है।



छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को तराशने के उद्देश्य से सरला बिरला विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी: प्रदीप वर्मा



कार्यक्रम में अपने संबोधन में राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने बिरला परिवार की समृद्ध विरासत का उल्लेख करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान की चर्चा की। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस का जिक्र करते हुए उन्होंने इसे संस्थान की निरंतर प्रगति का द्योतक बताया। साथ ही व्यक्ति, परिवार, समाज और कार्य क्षेत्र की एकात्मकता की बात करते हुए उन्होंने संस्थान की नींव मजबूत करने पर जोर

दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड के छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को तराशने और उन्हें अपने ही राज्य में उच्चस्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरला बिरला विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी थी। यह विश्वविद्यालय राज्य के उन हजारों छात्रों के लिए आशा की किरण बना है, जो पहले कर्नाटक, ओडिशा, महाराष्ट्र या दिल्ली जैसे राज्यों में शिक्षा लेने को विवश थे। उन्होंने बताया कि विगत सात वर्षों में विश्वविद्यालय ने छह हजार से अधिक छात्रों का विश्वास जीतने में सफलता प्राप्त की है। डॉ वर्मा ने बताया कि अब झारखंड ही नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्यों से भी छात्र सरला बिड़ला विश्वविद्यालय को अपनी प्रथम पसंद के रूप में चुन रहे हैं। छात्र अब इस विश्वविद्यालय को एक सशक्त और गुणवत्तायुक्त शिक्षा का केंद्र मानते हैं, जहां उन्हें न सिर्फ आधुनिक शिक्षा दी जाती है, बल्कि करियर के लिए मार्गदर्शन और अवसर भी दिये जाते हैं।

वर्ण 2017 में स्थापित सरला बिरला विश्वविद्यालय ने इस वर्ष अपनी स्थापना का 8 वर्षों का सफर पूरा किया है। इस अल्पावधि में विश्वविद्यालय ने कई अहम मुकाम हासिल किये हैं। 60 एकड़ के परिसर में फैले विश्वविद्यालय कैम्पस में हॉस्टल का संचालन भी किया जाता है। फिलहाल संस्थान में 5000 से भी ज्यादा विद्यार्थी 65 प्रोग्राम में अध्ययनरत हैं। इनके मार्गदर्शन के लिए 200 से भी अधिक फैकैल्टी कार्यरत हैं।

एसबीव्यू में स्थापना दिवस की धूम : सरला बिरला विश्वविद्यालय में मंगलवार को संस्थान का आठवां स्थापना दिवस बड़े धूमधाम मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यक्रम परिसर के प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर सरला देवी बिरला और बसंत कुमार बिरला के चित्र पर पुष्पार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। कार्यक्रम में वर्ष 2024-25 के विभिन्न संकायों के टॉपर्स को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसबीव्यू के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। स्थापना दिवस के

स्थानीय शिक्षा को बढ़ावा और प्रतिभा पलायन पर विराम

राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि सरला बिड़ला विश्वविद्यालय की स्थापना से न केवल झारखंड के छात्रों को अपने घर के पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिली है, बल्कि यह संस्थान राज्य से बाहर होने वाले प्रतिभा पलायन को भी रोकने में सहायक रहा है। झारखंड के छात्र अब राज्य के भीतर ही सरला बिड़ला विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में शिक्षा पाकर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। यह राज्य की सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए भी महत्वपूर्ण है। वर्तमान में विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में लगातार नए मानक स्थापित कर रहा है। डॉ वर्मा बताया कि आने वाले वर्षों में यह संस्थान झारखंड ही नहीं, देश के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में अपनी पहचान बनायेगा।

अवसर पर विवि के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं कुलसचिव प्रो श्रीधर डॉड्डिन ने विवि परिवार के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। एसबीव्यू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान ने विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

रामवाढ़ की दुर्गा पूजा : आस्था, परंपरा और सामुदायिक सद्भाव का अनूठा संवाम

बीरू कुमार
रामगढ़ (आजाद सिपाही)। जिले में दुर्गा पूजा का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है, जिसमें कई पुराने मंदिर और पारंपरिक पूजा समितियां शामिल हैं। यहां दुर्गा पूजा की कुछ प्रमुख ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विशेषताएं हैं।
रामगढ़ में दुर्गा पूजा की शुरुआत अंग्रेजों के शासनकाल में हुई थी, जब यहां के राजा, जमींदार और व्यापारी इस उत्सव को बड़े ही धूमधाम से मनाते थे। उस समय यह पूजा केवल कुछ ही परिवारों तक सीमित थी, लेकिन धीरे-धीरे यह सार्वजनिक पूजा में बदल गयी। पुराने समय में इस पूजा को केवल धार्मिक अनुष्ठान के रूप में ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए भी मनाया जाता था। रामगढ़ में दुर्गा पूजा के दौरान कुछ खास परंपराएं और रिवाज अपनाये जाते हैं जो इसे और भी अनूठा बनाते हैं। रामगढ़ में दुर्गा माता की प्रतिमा बनाने के लिए कारीगर कई महीनों पहले से ही काम शुरू कर देते हैं। ये



प्रतिमाएं पारंपरिक रूप से मिट्टी और पुआल से बनायी जाती हैं और इन्हें बहुत ही कलात्मक ढंग से सजाया जाता है। इस दिन माता की प्रतिमा का अनावरण किया जाता है और कथा, चंडी पाठ और पूजा जैसे धार्मिक अनुष्ठान शुरू होते हैं। रामगढ़ में कई पूजा पंडाल बनाये जाते हैं, जो अक्सर अलग-अलग थीम पर आधारित होते हैं। इन



पंडालों को बहुत ही खूबसूरती से सजाया जाता है और इनमें लाइटिंग का खास इंतजाम होता है। इसके अलावा पूजा के दौरान रामगढ़ में कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम, जैसे छऊ नृत्य, लोकगीत, और नाटक आयोजित किये जाते हैं। ये कार्यक्रम स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को दर्शाते हैं।
सिंदूर खेला भी रहता है आकर्षण का केंद्र : विजया दशमी के दिन, पूजा संपन्न होने के बाद, विवाहित महिलाएं सिंदूर

है, दोनों का फैसला केवल बीच में एक मकान है। यहां एक साथ मंदिर का घंटी और आसन फिजाओं में भाईचारा की संदेश देता है। रामगढ़ में दुर्गा पूजा कुछ अनोखी परंपराओं के लिए भी जानी जाती है। रामगढ़ के गोला के एक मंदिर में दुर्गा पूजा सामान्य 10 दिनों की बजाय पूरे 13 दिनों तक होती है और प्रतिमा का विसर्जन दशमी के बजाय त्रयोदशी को किया जाता है।
मांडू में डाक चढ़ाने की परंपरा : मांडू बस्ती में स्थित दुर्गा मंदिर में 'डाक' चढ़ाने के लिए भक्तों को 15 साल तक इंतजार करना पड़ता है। यह परंपरा मंदिर की स्थापना के समय से चली आ रही है। पारंपरिक पूजा के अलावा, आधुनिक रामगढ़ में दुर्गा पूजा पंडाल भी काफी भव्य और थीम-आधारित होते हैं। पूजा समितियां हर साल नये और आकर्षक विषयों पर पंडाल बनाती हैं। कुछ साल पहले, वेंटिकन सिटी स्थित सेंट पीटर बेसिलिका, अक्षरधाम मंदिर, और दुबई के राम मंदिर की थीम पर पंडाल बनाये गये थे।

दुर्गा पूजा मुख्य आकर्षण का केंद्र है घुट्टा मेला
रामगढ़ में दुर्गा पूजा मुख्य आकर्षण का केंद्र है घुट्टा मेला है। रामगढ़ में दुर्गा पूजा के दौरान बरकाकाना घुट्टा में मेला का आधुनिक और भव्य आयोजन होता है। जिसमें हर साल नये-नये पंडाल और सजावट की थीम होती है।
बरकाकाना दुर्गा पूजा मेला की विशेषताएं : घुट्टा मेले में दुर्गा पूजा का मुख्य आकर्षण इसके भव्य और कलात्मक पंडाल होते हैं। हर साल पूजा समितियां अलग-अलग थीम पर पंडाल बनाती हैं। ये पंडाल अक्सर प्रसिद्ध मंदिरों, ऐतिहासिक इमारतों या किसी विशेष विषय पर आधारित होते हैं, जो भक्तों और पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं। यहां का दुर्गा पूजा पंडाल अपनी भव्यता और सजावट के लिए पूरे जिले में जाना जाता है। यहां पर विद्युत सज्जा (लाइटिंग) का विशेष

ध्यान रखा जाता है, जो रात के समय पूरे इलाके को रोशन कर देती है। दुर्गा पूजा के दौरान यहां एक विशाल मेला लगता है, जिसमें बच्चों के लिए झूले, खाने-पीने के स्टॉल और विभिन्न प्रकार की दुकानें होती हैं। यह मेला पूरे शहर के लिए एक उत्सव का माहौल बनाता है। पूजा के दौरान कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम, जैसे भक्ति संगीत, लोक नृत्य और नाटक का आयोजन होता है, जो स्थानीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देता है। घुट्टा मेला। सामुदायिक एकता की मिसाल है। यह मेला और पूजा लोगों को एक साथ आने का मौका देता है। विभिन्न समुदायों के लोग मिलकर इस उत्सव में भाग लेते हैं, जो सामाजिक सद्भाव और भाईचारे का प्रतीक है। यह दुर्गा पूजा मेला मुख्य रूप से अपनी भव्यता, कलात्मक पंडाल, विशाल मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए प्रसिद्ध है, जबकि घुट्टा मेला अपनी ऐतिहासिक और पारंपरिक विशेषताओं के लिए जाना जाता है।

बढ़ता समर्थन

इस्राइल-हमास संघर्ष के बीच फिलस्तीन की पहचान का मुद्दा फिर जोर पकड़ रहा है। ब्रिटेन , कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने फलस्तीन को मान्यता दे दी है, जबकि कई दूसरे देश कतार में हैं। जमीन पर भले इस कदम से फलस्तीन की मौजूदा स्थिति न बदले, पर कूटनीतिक नजरिये से यह बहुत बड़ा शिफ्ट है।

अमेरिका की नाराजगी : कनाडा और ब्रिटेन जी7 समूह का हिस्सा हैं। पहली बार इस समूह के सदस्य देशों ने फलस्तीन को मान्यता दी है और इस कतार में फ्रांस भी है। अमेरिका की नाराजगी के बावजूद वॉशिंगटन के सहयोगी देश अगर फलस्तीन मुद्दे का साथ दे रहे हैं, तो इसकी बड़ी वजह गाजा के मौजूदा हालात हैं। **गाजा का संकट** : हमास-इस्राइल संघर्ष शुरू होने के बाद से गाजा में 65 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और इनमें ज्यादातर आम नागरिक हैं। लाखों लोग भूखमरी और विस्थापन झेल रहे हैं। इससे बड़ी त्रासदी यह है कि संघर्षविराम की कोई सूरत नजर नहीं आ रही और इस्राइल के नये ग्राउंड एक्शन से हालात और खराब हो गये हैं। हाल में कतर की राजधानी दोहा में इस्राइल के हवाई हमलों से भी बेचैनी बढ़ी और शांति की उम्मीदें धुंधली हो गयीं।

वादा पूरा हो : इस्राइल-फलस्तीन विवाद एक सदी से भी ज्यादा समय से सुलग रहा है। 1917 के Balfour Declaration में यहूदियों के लिए फलस्तीनी जमीन पर एक 'घर' बनाने का वादा था, पर उसमें यह भी वादा था कि वहां रह रहे दूसरे लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाया जायेगा। 1948 में इस्राइल बनने के बाद से विभिन्न वजहों से वह वादा कभी पूरा नहीं हुआ। एक आबादी को तो अपना देश मिल गया, लेकिन दूसरी आबादी अब भी बिना किसी पहचान के जी रही है।

समाधान का रास्ता : इस्राइल के अस्तित्व में आने से पहले ही दो राष्ट्र का सिद्धांत जन्म ले चुका था - एक यहूदी राज्य और एक अरब राज्य। इस विवाद का यही सबसे बेहतर हल भी दिखता है। लाखों लोग जो दशकों से युद्ध की मार झेल रहे, अपने घरों से बेदखल हैं, और जो क्रूर जियो-पॉलिटिक्स का मोहरा बन कर रह गये हैं - उन्हें उनका हक मिलना चाहिए। भारत भी टू स्टेट सॉल्यूशन के पक्ष में है।

भारत का रुख : पिछले कुछ बरसों में इस्राइल की तरफ भारत का झुकाव ज्यादा दिखा है। संयुक्त राष्ट्र में कई बार उसने इस्राइल-फलस्तीन मामले से दूरी बनाए रखी। लेकिन, पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा में टू स्टेट सॉल्यूशन पर मतदान हुआ तो भारत ने इसके समर्थन में वोट दिया। यह सही अप्रोच है।

कोल्हान की खबरें

मानगो पूजा पंडालों में सफाई और फॉगिंग की मांग, विधायक को सौंपा ज्ञापन



जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय का मानगो क्षेत्र के जनसुविधा प्रतिनिधियों ने मंगलवार को मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर पूजा पंडालों में नियमित सफाई, ब्लोचिंग पाउडर के छिड़काव, फॉगिंग और अन्य नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांग की ज्ञापन में स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, शुद्ध पेयजल आपूर्ति, गली-मोहल्लों में कचरा उठाव और नियमित सफाई की समस्या से अवगत कराया गया। मौके पर पप्पू सिंह, पिंटू सिंह, संजीव मुखर्जी, पवन सिंह, प्रवीण सिंह, मनोज गुप्ता, मुकेश सिंह सहित अन्य शामिल रहे।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की जयंती पर छात्राओं ने साझा किये अपने विचार



जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। साकची स्थित ग्रेजुएट कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की जयंती श्रद्धा और उत्साहपूर्वक मनाई गई।मंगलवार को कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा दिनकर जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।मौके पर डॉ. पाण्डेय ने कहा दिनकर जी श्रीकृष्ण के विचारों के संवाहक थे। उन्होंने गीता के उपदेशों को अपने काव्य के माध्यम से जीवंत किया। चाहे 'कुरुक्षेत्र' में युद्ध की अनिवार्यता हो या 'परशुराम की प्रतीक्षा' में सैनिकों का नैतिक आह्वान। दिनकर की रचनाएं सदैव राष्ट्रीय चेतना और आत्मगौरव से भरपूर रही हैं।उन्होंने आगे कहा रश्मिस्थी में दिनकर ने प्रतिभा के पराक्रम को महत्त्व दिया। जबकि ह्यजनतंत्र का जन्म में जनता को अन्याय के विरुद्ध जागरूक करने का कार्य किया। संस्कृति के चार अध्याय और हुंकार जैसे काव्य संग्रहों के माध्यम से उन्होंने भारतीय समाज, संस्कृति और समय की चुनौतियों को नई दृष्टि से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हिंदी विभाग की छात्राओं ने भी दिनकर के काव्य और विचारों पर अपने विचार साझा किए।मौके पर सेमेस्टर 4 की छात्रा श्रुति चौधरी ने दिनकर की राष्ट्रवादी चेतना पर प्रकाश डाला। नुपूर डे ने दिनकर की कविता में नारी चेतना और सामाजिक सरोकारों की भूमिका पर चर्चा की।सेमेस्टर 2 की छात्रा नंदनी सेन ने दिनकर की भाषा-शैली और काव्यशक्ति पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सेमेस्टर 4 की छात्रा अनुभा कुमारी और धन्यवाद ज्ञापन सेमेस्टर 2 की छात्रा लक्ष्मी कुमारी ने की।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रकवि दिनकर के आदर्शों को आत्मसात करने और उनके साहित्य को पढ़ने-समझने के संकल्प के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रियंका महतो, दिव्या कुमारी, आरती कुमारी, वर्षा गौराई, प्रिया तापये, लक्की कुमारी, दीपिका तिग्गा सहित सेमेस्टर 2 और 4 की सैकड़ों छात्राएं मौजूद रहीं।

अभिमत

आजाद सिपाही

अभिमत

विपिन कुमार

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 'विकसित उत्तर प्रदेश समिट' कार्यक्रम में सुबे के प्रिंसिपल सेक्रेटरी (कृषि, कृषि शिक्षा और शोध एवं मार्केटिंग) रविंदर, पशुपालन विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी मुकेश कुमार मेश्राम, राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय संयोजक वीएम सिंह और भारतीय खाद्य निगम के पूर्व सीएमडी आलोक सिन्हा ने शिरकत की। यूपी के प्रिंसिपल सेक्रेटरी (कृषि) रविंदर ने कहा कि किसान जिस तरह का एफर्ट और इन्वेस्टमेंट लगाते हैं, उसके हिसाब से बहुत कम रिटर्न उनको मिल पाता है। उन्होंने कहा कि अभी जो पैटर्न है, वह गेहूं-चावल लगाने का पैटर्न है। किसानों को इस स्टैंडर्ड पैटर्न से अलग ले जाया जाए, ये कोशिश है। प्रमुख कृषि सचिव ने कहा कि कुछ किसान हार्टिकल्चर और पशुपालन में भी काम करने लगे हैं। दाल और तिलहन का एरिया बढ़ाने में भी हम लगे हैं। उन्होंने दावा किया कि मक्का में रकबा बढ़ा है और उससे लोगों की इनकम बढ़ी है। यूपी का किसान छोटे साइज का किसान है और उसके लिए चुनौती है। हमें नयी तकनीकी लाकर किस तरह से जमीन में निवेश का अवसर उपलब्ध कराएँ, इस पर काम कर रहे हैं। कृषि सचिव ने कहा कि गन्ने की जो सबसे अच्छी वैरायटी थी, उसमें भी रेडरॉट के इश्यू आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमें अब नई वैरायटी खोजनी होगी। हम कहीं यह नहीं कह रहे कि किसानों को लेकर नहीं चलेंगे। प्रमुख सचिव ने कहा कि विदेशों में मार्केट को लेकर सवाल पर कहा कि बासमती के अलावा आम और अन्य सब्जियां एक्सपोर्ट कर पाने की स्थिति में हम बहुत अच्छे से नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस पर सरकार अभी काम कर रही है। एक समस्या आती है केमिकल की, इन सभी को चिह्नित कर

सवाल पर कहा कि बासमती के अलावा आम और अन्य सब्जियां एक्सपोर्ट कर पाने की स्थिति में हम बहुत अच्छे से नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस पर सरकार अभी काम कर रही है। एक समस्या आती है केमिकल की, इन सभी को चिह्नित कर

नयी

तकनीकी

लाकर किस तरह

से जमीन में निवेश

का अवसर उपलब्ध

कराएँ, इस पर

काम कर

रहे हैं।

रूपी के प्रिंसिपल सेक्रेटरी (कृषि) रविंदर ने कहा कि किसान जिस तरह का एफर्ट और इन्वेस्टमेंट लगाते हैं, उसके हिसाब से बहुत कम रिटर्न उनको मिल पाता है। उन्होंने कहा कि अभी जो पैटर्न है, वह गेहूं-चावल लगाने का पैटर्न है। किसानों को इस स्टैंडर्ड पैटर्न से अलग ले जाया जाये, ये कोशिश है। प्रमुख कृषि सचिव ने कहा कि कुछ किसान हार्टिकल्चर और पशुपालन में भी काम करने लगे हैं। दाल और तिलहन का एरिया बढ़ाने में भी हम लगे हैं।

किसानों की आय दोगुनी करने के लिए यूपी सरकार का कदम



हमें दूर करना होगा। निश्चित रूप से हमें बड़ी मार्केट मिलेगी। बुंदेलखंड में मूंगफली का उत्पादन अच्छा हो जा रहा है। उस इलाके में दाल के साथ मूंगफली के लिए अच्छा अवसर है। वहां पर हम काफी सफल भी हो रहे हैं।

किसान के बिना कैसे विकसित होगा यूपी वीएम सिंह ने कहा कि अगर यूपी विकसित होगा, तो देश विकसित होगा। यूपी विकसित कैसे होगा, जब 60 फीसदी किसान मजदूर विकसित नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि किसान 60 से 70 फीसदी हैं और विकसित नहीं हैं। कोई एक किसान बता दें, जो खुशी-खुशी यह कहे कि मेरा बेटा किसानो करता है। वीएम सिंह ने कहा कि यूपी में गेहूं और धान का मिथ है। आज यूपी में सबसे ज्यादा गन्ना लगता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 2022 चुनाव में कहा कि हमने 47 लाख से अधिक किसानों को गन्ने के बकाए मूल्य का भुगतान करा दिया। यह सही नहीं है। पांच साल से गन्ने का दाम एक रुपया नहीं बढ़ा। वीएम सिंह ने कहा कि किसान का बेटा किसानी के टेक्निक मां के पेट से सीखकर आता है। उसको रेट चाहिए, मार्केटिंग चाहिए। यूपी विकसित कैसे होगा, जब किसान का बेटा किसानी नहीं करना चाहता।

वीएम सिंह ने कहा कि चीनी मिल

मालिकों की मिलें बढ़ गईं, लेकिन एक केसीसी के कार्ड बंद हो जाएँ, तो खाना था और बढ़कर चार बीघे हो गया हो। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि पशुधन हमारे पास बहुत ज्यादा है, रोड पर छुट्टा जानवर दिखता है। रेडरॉट पिछले चार साल से फैल रहे हैं, जो कोयंबटूर ने 12-13 साल पहले निकाली थी। वीएम सिंह ने कहा कि हमारे रिसर्च सेंटर क्या कर रहे हैं। सरकार क्या कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास ब्लॉक लेवल से लेकर हर लेवल पर लोग हैं। आप करिए ना। वीएम सिंह ने कहा कि आज से 25 साल पहले हाईकोर्ट गया, सुप्रीम कोर्ट गया। मंडियों के ताले खुलवाकर खरीद चालू कराई। अगर डबल इंजन की सरकार ओडिशा और छत्तीसगढ़ में सरकार 2300 की जगह 3100 में खरीद कर रही है, तो आप क्यों नहीं कर सकते। आप भी करिए किसान को बचाने के लिए। उन्होंने कहा कि चारा महंगा हो गया है, किसान नहीं खिला पा रहा है। जहां दो-तीन लीटर पर गाय आती है, किसान उसे छुट्टा छोड़ देता है।

वीएम सिंह ने कहा कि अगर किसानी को टेकऑफ मिलेगा, तो हमें भी बड़ी खुशी होगी। सरकार के पास हम एमएसपी के लिए गए थे। उन्होंने कहा कि किसान को अगर उसका मूल्य नहीं मिलेगा, तो

आंकड़ों से किसी का पेट नहीं भरेगा। अगर केसीसी के कार्ड बंद हो जाएँ, तो खाना नहीं मिलेगा घर में। वीएम सिंह ने कहा कि मार्जिनल किसान को कैसे फायदा होगा, ये देखना होगा। सीएम किसान नेताओं को बुलाएं और पूछें कि हम क्या कर सकते हैं। हम पूरी मदद करने को तैयार हैं, आप करो तो सही।

दुग्ध उत्पादन में यूपी नंबर वन : मुकेश मेश्राम ने कहा कि हमारे यहां लगभग दो करोड़ गाय, सवा तीन करोड़ भैंस की संख्या है। पशुधन की संख्या के मामले में यूपी नंबर वन है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन में भी यूपी नंबर वन है। उन्होंने कहा कि रोटी, कपड़ा और मकान की चर्चा करें तो इसमें किसानों के योगदान की समझना चाहिए। अर्बनाइजेशन और मैकेनाइजेशन होने के कारण लोग पशु पालने से कन्नी काट रहे हैं। मेश्राम ने कहा कि विकसित यूपी की परिकल्पना करते हैं, तो नस्ल सुधार जरूरी है। श्वेत क्रांति का दूसरा फेज करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन से मार्केटिंग तक, लोगों के सामने बहुत से विकल्प हैं। बहुत से डेयरी प्लांट्स एनडीबी को दिया गया है। मुकेश मेश्राम ने कहा कि सारी दुग्ध समितियों को रजिस्टर्ड करने पर फोकस है। सभी जिलों में ये समितियां बनाई जा

कोल्हान की खबरें

जुबली पार्क में मारपीट पर भाजपा का हल्ला बोल, आंदोलन की चेतावनी



जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जुबली पार्क में झाल मुद्दी बेचने वाले रेहड़ी-पटरी वालों के साथ टाटा स्टील यूआइएसएल कर्मियों द्वारा की गई मारपीट और अभद्रता के खिलाफ भाजपा ने कड़ा रुख अपनाया। मंगलवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों ने घटनास्थल पहुंच कर पीड़ितों से मुलाकात की और पूरी घटना की गंभीरता से समीक्षा की। भाजपा नेताओं ने यूआइएसएल अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर चेतावनी दी यदि गरीबों को रोजगार से रोका गया तो जोरदार आंदोलन छेड़ा जाएगा। उन्होंने दोषी सुरक्षा कर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। सुधांशु ओझा ने कहा तीन दशकों से रोजगार कर रहे गरीबों को इस तरह हटाना सरासर अन्याय है। वहीं नीरज सिंह ने महिलाओं के साथ की गयी अभद्रता पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की मांग की। मौके पर संजीव सिन्हा, बबुआ सिंह, राजीव सिंह, धर्मेन्द्र प्रसाद, किशोर ओझा, उज्जवल सिंह समेत कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रेलवे के जवाब से असंतुष्ट हुए विधायक टाटानगर स्टेशन के विवादों पर उठाये सवाल

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। टाटानगर रेलवे स्टेशन पर पार्किंग शुल्क को लेकर हो रही अनियमितताओं के खिलाफ जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने फिर से सवाल उठाये हैं। बीते 29 अगस्त रेलवे को लिखे पत्र के जवाब से असंतुष्टि जताते हुए उन्होंने कहा रेलवे पार्किंग को मुनाफाखोरी का धंधा बना रहा है। रेलवे ने अपने जवाब में कहा था पार्किंग की ठेकेदारी ई-नीलामी से होती है। इसमें रेलवे की कोई भूमिका नहीं होती। इस पर सरयू राय ने प्रतिक्रिया दी जब रेलवे को यात्री संख्या और वाहन आवागमन का स्पष्ट आंकड़ा है, तो ऊंची दरों पर ठेका देना और मॉनिटरिंग नहीं करना लापरवाही है।उन्होंने सवाल उठाया पार्किंग को लेकर मारपीट और विवाद केवल जमशेदपुर में ही क्यों होते हैं? क्या रेलवे यह सुनिश्चित कर रहा है निर्धारित शुल्क ही वसुले जा रहे हैं? विधायक ने यह भी मांग की दोषियों पर कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक की जाए।मौरतलब है हाल ही में एक यात्री से 5 घंटे वाहन खड़े रहने पर 5310 का जुर्माना वसुले जाने का मामला सामने आया था। जबकि रेलवे का कहना है केवल 1000 ही वसुले गये। सरयू राय ने इसे आम नागरिकों से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए तत्काल सुधार और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।



